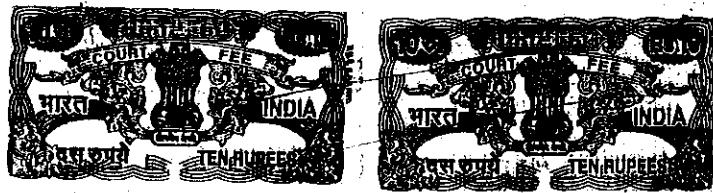


न्यायालय माननीय राजस्व मंडल म0प्र0 ग्वालियर कैम्प रीवा (म0प्र0)



(३)

1. रमेशुरा पिता गोजे काढी उम्र करीब 48 वर्ष,
2. गोतीलाल पिता भिस्मा काढी उम्र करीब 50 वर्ष,
3. राधे पिता छोटुवा काढी उम्र करीब 35 वर्ष, सभी निवारी ग्राम बिजौरी, तह0—मानुपर,

क्रमांक ५५२० थाना—मानुपर, जिला—उमरिया (म0प्र0)।

रजिस्टर्ड पोस्ट आज्ञा प्राप्त

आवेदकगण

बनाम

कालार्ज ऑफ फोर्म
राजस्व १५.१२.१३ रमईया लैपर पिता मंगलिया काढी उम्र करीब 65 वर्ष, निवारी ग्राम बिजौरी, तह0—मानुपर,
थाना—मानुपर, जिला—उमरिया (म0प्र0)।

2. म0प्र0 शासन द्वारा राजस्व विभाग।

.....अनावेदकगण

निर्णय नाम दिनांक २५.५.१५ के

मेरि लैपर
रमईया लैपर

निगरानी आदेश न्यायालय तहसीलदार मानुपर
जिला—उमरिया (म0प्र0) के प्रकरण क्रमांक
46/3/12/2013-14 निर्णय दिनांक 02.07.2014
अन्तर्गत धारा 50 (म0प्र0 भू रासं0 1959

मान्यवर

निगरानी का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है—

यह कि ग्राम—बिजौरी, पट0ह0—बिजौरी, रा०नि०म०—मानुपर, तह0—मानुपर जिला—उमरिया (म0प्र0) की आ०ख०क० 696 रकवा 0.450 है0 जिसके भूमि स्वामी व स्वत्वाधिकारी आवेदक क्र0 1 व 2 तथा आवेदक क्र0 3 के पिता छोटुवा है तथा उक्त आसाजी आवेदकगण के पूर्वज भीमरोन पिता शिवदयाल काढी की जमीन थी तथा आवेदकगण अपने पूर्वजो के जमाने से काबिज कास्त चले आ रहे हैं जिस पर आवेदकगणो के खेत, बगिया आदि बनी है जिस पर आवेदकगण शांतिपूर्वक काबिज कास्त है तथा अनावेदक क्र0 1 रमईया जो कि आवेदक के समीप आ०ख०क० 697 का कास्तकार है ने बिना नक्शे मे तरभीम किए अपनी जमीन का रीमांकन का आवेदन तहसीलदार मानुपर के यहाँ प्रतुत किया जिसमे रा०नि०

//2//

“” देज नहीं किया जो आदेश विधि एवं नियम के निरन्तर योग्य है।

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—गवालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग—अ

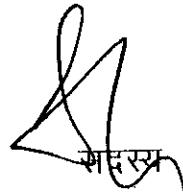
प्रकरण क्रमांक 1700—दो / 2013 निगरानी

जिला उमरिया

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
१८-०९-१५	<p>निगरानी की ग्राहयता पर एंव अवधि विधान की धारा 5 के आवेदन पर आवेदकगण के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने गये। यह निगरानी तहसीलदार मानपुर जिला उमरिया के प्रकरण क्रमांक 46 अ—12/13—14 में पारित आदेश दिनांक 20—7—2014 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत न्यायालय में दिनांक 25—4—15 को प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ नौ माह से अधिक विलम्ब के सम्बन्ध में आवेदकगण के अभिभाषक का तर्क है कि तहसीलदार मानपुर के आदेश दिनांक 20—7—2014 की जानकारी आवेदकगण को दिनांक 23—12—14 को उस समय हुई जब अनावेदक ने वाद विचारित भूमि पर कब्जा छुड़ाने की धमकी दी। सीमांकन पर आवेदकगण ने 30—6—14 को आपत्ति लगाई थी किन्तु बिना सूचना दिये ही सीमांकन आदेश एकपक्षीय पारित किया गया है इसलिये विलम्ब क्षमा किया जाय एंव निगरानी सुनवाई में ग्राह्य की जाय।</p> <p>3/ आवेदकगण के अभिभाषक के अनुसार उन्होंने सीमांकन पर 30—6—14 को आपत्ति लगाई है, जबकि तहसीलदार का आदेश दिनांक 20—7—14 इस प्रकार है :—</p> <p>“ नियत तारीख को मौके से उपस्थित होकर सीमांकन कार्य किया गया व मौके पर स्थल पर पंचनामा तैयार किया गया। सीमांकन से संतुष्ट होकर आवेदक एंव उपस्थित ग्रामीणजनों के ब्वारा हस्ताक्षर किया है। सीमांकन पश्चात् आज दिनांक तक कोई आपत्ति नहीं प्राप्त हुई। ”</p> <p>उपरोक्त से स्पष्ट है कि तहसीलदार के समक्ष किसी प्रकार की आपत्ति</p>	

प्र० क्र० 1700—दो / 2013 निगरानी

प्रस्तुत नहीं की गई है जिसके कारण अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन में दिया गया विवरण समाधान कारक नहीं है। यदि मामले में गुणदोष पर भी विचार किया जावे, जैसाकि आवेदकगण के अभिभाषक ने बताया है कि विचाराधीन सीमांकन से आवेदकगण की भूमि प्रभावित हुई है यदि आवेदकगण स्वयं की भूमि को प्रभावित होना मानते हैं तब वह राजस्व निरीक्षक से वरिष्ठ सहायक अधीक्षक/अधीक्षक भू अभिलेख से अपनी भूमि का सीमांकन कराने हेतु स्तंत्रत हैं जिसके कारण विचाराधीन निगरानी में तहसीलदार मानपुर जिला उमरिया के प्रकरण क्रमांक 46 अ-12/13-14 में पारित आदेश दिनांक 20-7-2014 में हस्तक्षेप की गँजायश नहीं है। फलतः निगरानी इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है।



महसूस